Psa

Chapter 136

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1	הוֹד֣וּ	לַיהוָ֣ה	כִּי־	ט֑וֹב	כִּ֖י	לְעוֹלָ֣ם	חַסְדּֽוֹ׃
	धन्यवाद-दो	यहोवा-को	क्योंकि	अच्छा	क्योंकि	सदा-के-लिए	उसकी-कृपा
	H3034	H3068				H5769	

> यहोवा की प्रशंसा करो, क्योंकि वह उत्तम है। उसका सच्चा प्रेम सदा ही बना रहता है।

2	ה֭וֹדוּ	לֵֽאלֹהֵ֣י	הָאֱלֹהִ֑ים	כִּ֖י	לְעוֹלָ֣ם	חַסְדּֽוֹ׃
	धन्यवाद-दो	एलोहीम-के-एलोहीम-को	एलोहीम	क्योंकि	सदा-के-लिए	उसकी-कृपा
	H3034	H0430	H0430		H5769	

> ईश्वरों के परमेश्वर की प्रशंसा करो! उसका सच्चा प्रेम सदा ही बना रहता है।

3	ה֭וֹדוּ	לַאֲדֹנֵ֣י	הָאֲדֹנִ֑ים	כִּ֖י	לְעֹלָ֣ם	חַסְדּֽוֹ׃
	धन्यवाद-दो	आदोनाई-के-आदोनाई-को	आदोनाई	क्योंकि	सदा-के-लिए	उसकी-कृपा
	H3034	H0113	H0113		H5769	

> प्रभुओं के प्रभु की प्रशंसा करो। उसका सच्चा प्रेम सदा ही बना रहता है।

4	לְעֹ֤שֵׂה	נִפְלָא֣וֹת	גְּדֹל֣וֹת	לְבַדּ֑וֹ	כִּ֖י	לְעוֹלָ֣ם	חַסְדּֽוֹ׃
	करनेवाले-को	अद्भुत-कार्य	बड़े	अकेले	क्योंकि	सदा-के-लिए	उसकी-कृपा
		H6381		H0905		H5769	

> परमेश्वर के गुण गाओ। बस वही एक है जो अद्भुत कर्म करता है। उसका सच्चा प्रेम सदा ही बना रहता है।

5	לְעֹשֵׂ֣ה	הַ֭שָּׁמַיִם	בִּתְבוּנָ֑ה	כִּ֖י	לְעוֹלָ֣ם	חַסְדּֽוֹ׃
	बनानेवाले-को	आकाशों-को	समझ-से	क्योंकि	सदा-के-लिए	उसकी-कृपा
		H8064	H8394		H5769	

> परमेश्वर के गुण गाओ जिसने अपनी बुद्धि से आकाश को रचा है। उसका सच्चा प्रेम सदा ही बना रहता है।

6	לְרֹקַ֣ע	הָ֭אָרֶץ	עַל־	הַמָּ֑יִם	כִּ֖י	לְעוֹלָ֣ם	חַסְדּֽוֹ׃
	फैलानेवाले-को	पृथ्वी-को	पर	पानी	क्योंकि	सदा-के-लिए	उसकी-कृपा
	H7554	H0776		H4325		H5769	

> परमेश्वर ने सागर के बीच में सूखी धरती को स्थापित किया। उसका सच्चा प्रेम सदा ही बना रहता है।

7	לְ֭עֹשֵׂה	אוֹרִ֣ים	גְּדֹלִ֑ים	כִּ֖י	לְעוֹלָ֣ם	חַסְדּֽוֹ׃
	बनानेवाले-को	ज्योतियों-को	बड़ी	क्योंकि	सदा-के-लिए	उसकी-कृपा
		H0216			H5769	

> परमेश्वर ने महान ज्योतियाँ रची। उसका सच्चा प्रेम सदा ही बना रहता है।।

8	אֶת־	הַ֭שֶּׁמֶשׁ	לְמֶמְשֶׁ֣לֶת	בַּיּ֑וֹם	כִּ֖י	לְעוֹלָ֣ם	חַסְדּֽוֹ׃
	को	सूर्य-को	शासन-के-लिए	दिन-पर	क्योंकि	सदा-के-लिए	उसकी-कृपा
	H0853	H8121	H4475	H3117		H5769	

> परमेश्वर ने सूर्य को दिन पर शासन करने के लिये बनाया। उसका सच्चा प्रेम सदा ही बना रहता है।

9	אֶת־	הַיָּרֵ֣חַ	וְ֭כוֹכָבִים	לְמֶמְשְׁל֣וֹת	בַּלָּ֑יְלָה	כִּ֖י	לְעוֹלָ֣ם	חַסְדּֽוֹ׃
	को	चन्द्रमा-को	और-तारों-को	शासनों-के-लिए	रात-पर	क्योंकि	सदा-के-लिए	उसकी-कृपा
	H0853	H3394	H3556	H4475	H3915		H5769	

> परमेश्वर ने चाँद तारों को बनाया कि वे रात पर शासन करें। उसका सच्चा प्रेम सदा ही बना रहता है।

10

לְמַכֵּ֣ה	מִ֭צְרַיִם	בִּבְכוֹרֵיהֶ֑ם	כִּ֖י	לְעוֹלָ֣ם	חַסְדּֽוֹ׃
मारनेवाले-को	मिस्र-को	उसके-पहलौठों-से	क्योंकि	सदा-के-लिए	उसकी-कृपा
H5221	H4714	H1060		H5769	

परमेश्वर ने मिस्र में मनुष्यों और पशुओं के पहलौठों को मारा। उसका सच्चा प्रेम सदा ही बना रहता है।

11

וַיּוֹצֵ֣א	יִ֭שְׂרָאֵל	מִתּוֹכָ֑ם	כִּ֖י	לְעוֹלָ֣ם	חַסְדּֽוֹ׃
और-निकाला	इस्राएल-को	उनके-बीच-से	क्योंकि	सदा-के-लिए	उसकी-कृपा
H3318	H3478	H8432		H5769	

परमेश्वर इस्राएल को मिस्र से बाहर ले आया। उसका सच्चा प्रेम सदा ही बना रहता है।

12

בְּיָ֣ד	חֲ֭זָקָה	וּבִזְר֣וֹעַ	נְטוּיָ֑ה	כִּ֖י	לְעוֹלָ֣ם	חַסְדּֽוֹ׃
हाथ-से	शक्तिशाली	और-भुजा-से	बढ़ाई-हुई	क्योंकि	सदा-के-लिए	उसकी-कृपा
H3027	H2389	H2220	H5186		H5769	

परमेश्वर ने अपना सामर्थ्य और अपनी महाशक्ति को प्रकटाया। उसका सच्चा प्रेम सदा ही बना रहता है।

13

לְגֹזֵ֣ר	יַם־	ס֭וּף	לִגְזָרִ֑ים	כִּ֖י	לְעוֹלָ֣ם	חַסְדּֽוֹ׃
काटनेवाले-को	समुद्र	लाल	टुकड़ों-में	क्योंकि	सदा-के-लिए	उसकी-कृपा
H1504	H3220	H5488	H1506		H5769	

परमेश्वर ने लाल सागर को दो भागों में फाड़ा। उसका सच्चा प्रेम सदा ही बना रहता है।

14

וְהֶעֱבִ֣יר	יִשְׂרָאֵ֣ל	בְּתוֹכ֑וֹ	כִּ֖י	לְעוֹלָ֣ם	חַסְדּֽוֹ׃
और-पार-कराया	इस्राएल-को	उसके-बीच-से	क्योंकि	सदा-के-लिए	उसकी-कृपा
	H3478	H8432		H5769	

परमेश्वर ने इस्राएल को सागर के बीच से पार उतारा। उसका सच्चा प्रेम सदा ही बना रहता है।

15

וְנִ֘עֵ֤ר	פַּרְעֹ֣ה	וְחֵיל֣וֹ	בְיַם־	ס֑וּף	כִּ֖י	לְעוֹלָ֣ם	חַסְדּֽוֹ׃
और-डुबो-दिया	फ़िरौन-को	और-उसकी-सेना-को	समुद्र-में	लाल	क्योंकि	सदा-के-लिए	उसकी-कृपा
H5287	H6547	H2428	H3220	H5488		H5769	

परमेश्वर ने फ़िरौन और उसकी सेना को लाल सागर में डूबा दिया। उसका सच्चा प्रेम सदा ही बना रहता है।

16

לְמוֹלִ֣יךְ	עַ֭מּוֹ	בַּמִּדְבָּ֑ר	כִּ֖י	לְעוֹלָ֣ם	חַסְדּֽוֹ׃
चलानेवाले-को	अपनी-प्रजा-को	जंगल-में	क्योंकि	सदा-के-लिए	उसकी-कृपा
H3212				H5769	

परमेश्वर ने अपने निज भक्तों को मरुस्थल में राह दिखाई। उसका सच्चा प्रेम सदा ही बना रहता है।

17

לְ֭מַכֵּה	מְלָכִ֣ים	גְּדֹלִ֑ים	כִּ֖י	לְעוֹלָ֣ם	חַסְדּֽוֹ׃
मारनेवाले-को	राजाओं	बड़े	क्योंकि	सदा-के-लिए	उसकी-कृपा
H5221	H4428			H5769	

परमेश्वर ने बलशाली राजा हराए। उसका सच्चा प्रेम सदा ही बना रहता है।

18

וַֽ֭יַּהֲרֹג	מְלָכִ֣ים	אַדִּירִ֑ים	כִּ֖י	לְעוֹלָ֣ם	חַסְדּֽוֹ׃
और-मारा	राजाओं	शक्तिशाली-को	क्योंकि	सदा-के-लिए	उसकी-कृपा
H2026	H4428	H0117		H5769	

परमेश्वर ने सुदृढ़ राजाओं को मारा। उसका सच्चा प्रेम सदा ही बना रहता है।

19

לְ֭סִיחוֹן	מֶ֣לֶךְ	הָאֱמֹרִ֑י	כִּ֖י	לְעוֹלָ֣ם	חַסְדּֽוֹ׃
सीहोन-को	राजा	एमोरी-के	क्योंकि	सदा-के-लिए	उसकी-कृपा
H5511	H4428	H0567		H5769	

परमेश्वर ने एमोरियों के राजा सीहोन को मारा। उसका सच्चा प्रेम सदा ही बना रहता है।

20					
וּ֭לְעוֹג	מֶ֣לֶךְ	הַבָּשָׁ֑ן	כִּ֖י	לְעוֹלָ֣ם	חַסְדּֽוֹ׃
और-ओग-को	राजा	बाशान-के	क्योंकि	सदा-के-लिए	उसकी-कृपा
H5747	H4428	H1316		H5769	

> परमेश्वर ने बाशान के राजा ओग को मारा। उसका सच्चा प्रेम सदा ही बना रहता है।

21					
וְנָתַ֣ן	אַרְצָ֣ם	לְנַחֲלָ֑ה	כִּ֖י	לְעוֹלָ֣ם	חַסְדּֽוֹ׃
और-दिया	उनकी-भूमि-को	विरासत-के-रूप-में	क्योंकि	सदा-के-लिए	उसकी-कृपा
H5414	H0776	H5159		H5769	

> परमेश्वर ने इस्राएल को उसकी धरती दे दी। उसका सच्चा प्रेम सदा ही बना रहता है।

22					
נַ֭חֲלָה	לְיִשְׂרָאֵ֣ל	עַבְדּ֑וֹ	כִּ֖י	לְעוֹלָ֣ם	חַסְדּֽוֹ׃
विरासत	इस्राएल-को	अपने-दास	क्योंकि	सदा-के-लिए	उसकी-कृपा
H5159	H3478	H5650		H5769	

> परमेश्वर ने उस धरती को इस्राएल को उपहार के रूप में दिया। उसका सच्चा प्रेम सदा ही बना रहता है।

23					
שֶׁ֭בְּשִׁפְלֵנוּ	זָ֣כַר	לָ֑נוּ	כִּ֖י	לְעוֹלָ֣ם	חַסְדּֽוֹ׃
हमारी-नीच-अवस्था-में-जिसने	याद-किया	हमें	क्योंकि	सदा-के-लिए	उसकी-कृपा
H8216	H2142			H5769	

> परमेश्वर ने हमको याद रखा, जब हम पराजित थे। उसका सच्चा प्रेम सदा ही बना रहता है।

24				
וַיִּפְרְקֵ֥נוּ	מִצָּרֵ֑ינוּ	כִּ֖י	לְעוֹלָ֣ם	חַסְדּֽוֹ׃
और-छुड़ाया-हमें	हमारे-शत्रुओं-से	क्योंकि	सदा-के-लिए	उसकी-कृपा
H6561			H5769	

> परमेश्वर ने हमको हमारे शत्रुओं से बचाया था। उसका सच्चा प्रेम सदा ही बना रहता है।

25						
נֹתֵ֣ן	לֶ֭חֶם	לְכָל־	בָּשָׂ֑ר	כִּ֖י	לְעוֹלָ֣ם	חַסְדּֽוֹ׃
देनेवाला	रोटी	सब-को	प्राणी	क्योंकि	सदा-के-लिए	उसकी-कृपा
H5414	H3899	H3605	H1320		H5769	

> परमेश्वर हर एक को खाने को देता है। उसका सच्चा प्रेम सदा ही बना रहता है।

26					
ה֭וֹדוּ	לְאֵ֣ל	הַשָּׁמָ֑יִם	כִּ֖י	לְעוֹלָ֣ם	חַסְדּֽוֹ׃
धन्यवाद-दो	एल-को	आकाशों-के	क्योंकि	सदा-के-लिए	उसकी-कृपा
H3034	H0410	H8064		H5769	

> स्वर्ग के परमेश्वर का गुण गाओ। उसका सच्चा प्रेम सदा ही बना रहता है।